



“श्री जी० के० शर्मा जी अमर रहें”

चेयरमैन एवं संस्थापक :-

पुष्पांजलि मॉडर्न पब्लिक स्कूल तुकमीरपुर, दिल्ली-90

संदर्भ



प्रिय पाठकगण,

इस पुस्तक का विमोचन पुण्यात्मा श्री जी. के. शर्मा जी के 49वें जन्मदिवस पर किया जा रहा है। ऐसे दिव्य पुरुष जिनके जीवन-पलों को शब्द-सीमा में बाँधना लगभग असंभव है। परंतु फिर भी यह पुस्तक उन्हें दृश्यावलोकित करने का एक छोटा-सा प्रयास है।

श्री जी. के. शर्मा जी का जन्म 26 अक्टूबर 1970 में दिल्ली में हुआ था। अपने परिवार से विरासत में मिले संस्कारों तथा आदर्शों को लेकर तथा उन्हें और अधिक ऊँचाई पर ले जाते हुए उन्होंने अपनी शिक्षा संपूर्ण की। श्री जी. के. शर्मा जी का विवाह 12-दिसंबर-1990 में श्रीमती सुषमा शर्मा जी से हुआ। सफल वैवाहिक जीवन का निर्वाह करते हुए उन्हें दो पुत्र तथा एक पुत्री की प्राप्ति हुई। वैसे तो शर्मा जी एक सफल एवं लोकप्रिय समाज-सेवक थे ही, इससे हटकर आम जनता की समस्याओं को हृदय से महसूस करके, यथासंभव उसका निवारण करने के लिए प्रयासरत रहना उनकी दिनचर्या थी। अब जबकि दूसरों के लिए जिस हृदय में जितनी संवदेशनशीलता हो तो अपनों के लिए कितना मर्म होगा। पुष्पांजलि बिटिया, जिससे शर्माजी का अत्यंत स्नेह था, कालसर्प उसे छः माह की अल्पायु में निगल गया। परंतु शर्मा जी अपनी बिटिया का नाम भविष्य में भी अमर रखना चाहते थे, अपनी इसी चाह के चलते उन्होंने सन् 2004 में पुष्पांजलि बिटिया की स्मृति में पुष्पांजलि मॉडर्न पब्लिक स्कूल की नींव रखी और इसी को अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। जीवन के स्वर्णिम पलों को पूर्णतया स्कूल के लिए समर्पित करते हुए जिन लक्ष्यों तथा आदर्शों का बीजारोपण माननीय शर्मा जी ने किया, आज वह एक विशाल वृक्ष बनकर अपने स्थान पर अपनी मजबूत जड़ों (संस्कृति तथा संस्कार) के साथ स्थापित है, जिसकी छत्रछाया में असंख्य छात्र अपने जीवन-मूल्यों तथा लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं।

ईश्वर ने उन्हें इस लोक में अधिक समय ही नहीं दिया। 31 जुलाई, 2018 को हृदयाघात के कारण उनका आकस्मिक निधन हो गया। यद्यपि भौतिक रूप से वे हमारे मध्य नहीं हैं, तथापि उनके द्वारा निर्धारित लक्ष्य, आदर्श, संस्कृति तथा संस्कार सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे और हम उन्हें और आगे ले जाने के लिए वचनबद्ध हैं।

ऐसे दिव्यात्मा, जिनकी उदारता की सच्ची भावना, आडंबरहीन व्यक्तित्व तथा पवित्र विचार मात्र ही व्यक्ति को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित कर दे, ऐसी दिव्यात्मा को शत्-शत् नमन।

श्री जी० के० शर्मा जी अमर रहें.....

"The Man Who Made Impossible to Possible"



The man having with positive rays, "I may live four day, four month or four years but I would make the root of Pushpanjali as much as so that the Pushpanjalians will not find the way, the way itself find the Pushpanjalians" and indeed he has done, 26 Oct. 1970, The day that gave us such a star who made possible to impossible, Mr. G. K. Sharma was born on 26 October, He had a strong determination but when he lost his "heart loving" apple's eye Pushpanjali his daughter, he was shattered and stucked with darkness, after a many ups and downs he collected himself and came with another power and strong will and in 2004, He established "Pushpanjali Modern Public School", the only English medium school in this area, for the loving memory of his daughter, he had the view to give a quality education to the children with the showering of love and affection and it revels by one of his thought, " I see the God in smiles of my students and I will make sure to do with that Pushpanjali is not a school, it is a garden of love in which every students has to be watered to grow with quality and moral values, Instead of his sudden demise on 31st July 2018, the Pushpanjalians did not stop, because he had stronged us and our will also, He watered us in such a way, that we may not give up. There are less possible thoughts and such a determination. We lost him but the way he showed us, we are on and the seed he sow, that will become an oak tree, has to lit all the world. The Pushpanjalians are not going to stop, they will show the world that the emotions can take its worth.....

विनम्र श्रद्धांजलि

“आज ये जो हम महके-महके घूम रहे हैं,
हकीकत में ये हमारे पिता के पसीने की खूशबू है.....”

भले ही पापा आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन पापा द्वारा दी गई हर शिक्षा एवं संस्कार का मैं अनुकरण करने के लिए वचनबद्ध हूँ। जिन मूल्यों और जिन आदर्श-स्तंभों पर पापा ने पुष्पांजलि स्कूल की स्थापना की, उन्हीं का अनुकरण करते हुए हम आगे बढ़ेंगे। पापा द्वारा अभिभावकों से किए गए वायदों को अपनी आखिरी सांस तक पूरा करने का प्रयास करूँगा। उनकी आँखों से देखा हर सपना पूरा करूँगा। सही मायने में उनके लिए मेरी यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(योगेश वत्स पुत्र श्री जी. के. शर्मा)



पापा हमेशा चाहते थे कि मैं डॉक्टर, बनकर गरीब लोगों के सेवार्थ कार्य करूँ, मैं उनका ये सपना अवश्य पूरा करूँगा। चाहे इसके लिए मुझे कितना ही संघर्ष करना पड़े। उनके रहते कभी इस बात का एहसास ही नहीं था कि जीवन इतना कठिन होता है, पर आज उनकी उँगलियों की ताकत का पता चलता है जिन्हें थामकर मैं अपने जीवन-पथ पर सफलतापूर्वक इतना आगे निकल आया। कोशिश करूँगा कि उसी तरह आगे बढ़ते हुए पापा की आशाओं पर खरा उतर सकूँ।

(गौरव वत्स पुत्र श्री जी. के. शर्मा)

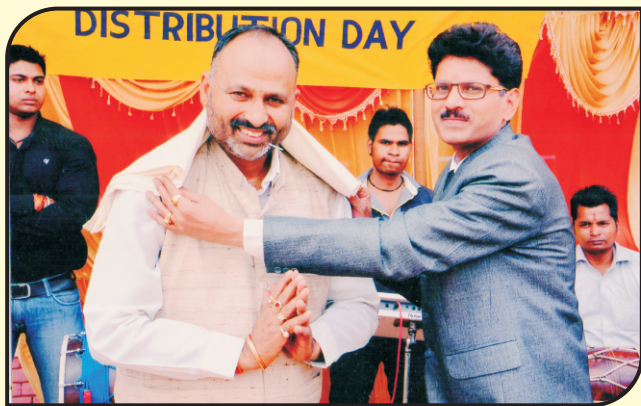
हर शख्स के चेहरे में नहीं झलकती वो आशाएँ, जो उन्हें पूरा करने का हुनर रखता है,
वहीं अनमोल होता है, तस्वीरें दर्शाती है, उनकी शख्सियत को और सपनों को.....



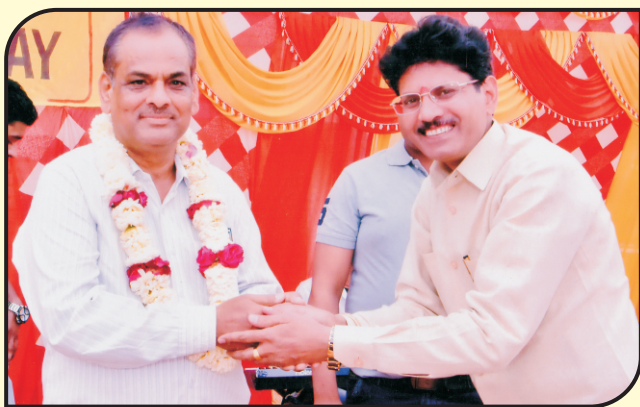
हर शख्स के चेहरे में नहीं झलकती वो आशाएँ, जो उन्हें पूरा करने का हुनर रखता है,
वहीं अनमोल होता है, तस्वीरें दर्शाती है, उनकी शख्सियत को और सपनों को.....



वो श्रद्धा वो समर्पण, ललक और प्यार की प्रगाढ़ता को
दर्शाती ये तस्वीरें, जो स्वयं में, कुछ बयां कर रही है.....



वो श्रद्धा वो समर्पण, ललक और प्यार की प्रगाढ़ता को
दर्शाती ये तस्वीरें, जो स्वयं में, कुछ बयां कर रही है.....



वो श्रद्धा वो समर्पण, ललक और प्यार की प्रगाढ़ता को
दर्शाती ये तस्वीरें, जो स्वयं में, कुछ बयां कर रही है.....



“पुष्पांजलि”

इस कविता के रचनाकार श्री जी. के. शर्मा हैं। जिन्होंने अपनी पुष्पांजलि बिटिया की स्मृति में “पुष्पांजलि मॉडर्न पब्लिक स्कूल” की स्थापना की है।

ये विद्यालय बिटिया को समर्पित,
सपना देखा महान है।
तेरे नाम का वैभव चमके,
यही मेरा अरमान है।
कैसे करूँ मैं सपने पूरे,
रस नव-निर्माण है।
हूँ चिंतित हर वक्त मैं बेटी,
नाम तेरा मेरी शान है।
तेने नाम का वैभव चमके,
यही मेरा अरमान है।
लौट कर जो नहीं आने वाले,
क्यों उनका इंतजार है।
आँखे बार-बार यही कहती,
ये इम्तहान नहीं बेटी का प्यार है।
मन कहता है भूला दूँ उसको,
क्या यही संसार है।
बेटी ने सपने में बोला,
पापा यही तो प्यार है।
कभी-कभी यूँ मन करता है,
छोड़ दूँ इस संसार को,
पर पग में दो बेड़ी लगी हैं,
कैसे न सजाऊँ उनके परिवार को।
एक गई दो बेटी आएँ,
यही मेरा अरमान है।
ये विद्यालय बिटिया को समर्पित,
सपना देखा महान है।
सुना नहीं है ना देखा है,
कि वो बेइमान है।
पर दिल को कैसे समझाऊँ,
ये बड़ा नादान है।



बहक चुका हूँ वर्षों तक मैं,
सुनी सुनाई बातों में।
कर्ज अपना वो ले जाते हैं,
कुछ घण्टों कुछ साँसों में।
मैं आज भी कर्जदार हूँ,
बेटी के बलिदान का।
उसके आलिंगन, उसकी शरारत,
उसकी एक मुस्कान का।
सांसे टूटी हैं, आस नहीं,
कभी तो बेटी आएगी।
जाते वक्त जो किया था वादा,
उसे जरूर निभायेगी।
वादा किया था उसने मुझ से,
साथ ना दे पाऊँगी।
चंद दिनों की मेहमां हूँ मैं,
रोते-रोते छोड़ जाऊँगी।
याद करोगे जब भी मुझको,
पापा बहुत रुलाऊँगी।
लेकिन अगले जीवन में मैं,
तुमसे मिलने आऊँगी।
बेटी को जो बोझ समझते,
कैसे वो इंसान हैं।
तेरे नाम का वैभव चमके,
यही मेरा अरमान है।

FROM THE CHAIRMAN'S TABLE

I, on behalf of all my teaching and non teaching staffs of **PMPS** thank and appreciate you and your sole decisions for getting your ward admitted in the one and only complete English medium school of North East Delhi.

No doubt you would have a lot of expectations from us. At the initial stage you want your child to be a responsible citizen in respect of socially and economically, We comprehend your feelings and sentiments so well.

To come to the level of your expectation the school has highly qualified and experienced staffs having successful offers in the past several year. Our teachers are innovative and creative in their delivery. The teachers are excited about learning their subjects, They are generous and flexible to change and management provides them all trust and support in their techniques and methodologies. Name and fame would not have become so far and wide without your cooperation.

I give in the fact that to become a good and responsible citizen we have to do something extra. May God each and every body of our society become a good and respectable man !

PMPS is and out come of aspirant. I gave foundation in the loving memory of my only beloved daughter "Pushpanjali" who is now no more among us. My eyes go moisture but on the other hand, I feel proud and honored to be a guardian of so many little children. I see Pushpanjali's face in every child. Life is in the hands of "Almighty". Duty is in our hands. The best way of investing my knowledge and experience is to educate a child.

It is a well known saying "if you plan for a year plant rice, if you plan for ten years plant a tree and if you plan for hundred years educate a child and I planned for hundred years. The output is before you. This credit goes to my teacher and parents.

I have learnt a lesson from my adorable parents, do good. be honest, be cooperative and success is yours. Nothing is Impossible. Once Napoleon, who was earlier a simple army asked his men to attack the enemies. The armies told that there is a mountain on their path. Napoleon said but there is no mountain on the way. As a result he won the battle.

We have made a great effort to turn over the system of providing education. We don't suffocate the talent hidden in your ward. We nourish it to flourish because we are professionally managed. We believe in quality not in quantity. Some schools nearby are being run for the last two or two and half decades but Alas! neither a doctor nor an engineer has been produced yet. Who is responsible for all. the high trees don't cast shadow nor bear fruits. The expectation and hopes you have from us before and after the admission will come true. We take a vow your faith in us will never be shaken under any circumstances or at any cost because we know the value of your darling.

PMPS commits to fulfill your dream. I am sleepless if any one student gets downfall. My endeavor and your faith will collide all the ill will of anti who produce an obstacle in the path of progress.

Gentlemen, you have much time to understand the wrong and right I pledge to change your ward into a blossom which is given to me in the form of buds. It is not mere a word. It is my faith. I have inherited something from my adorable parents.

I wish for your cooperation and suggestion.

Let's pray! May God Pushpanjali Soul Rest in Peace !

Truly Yours

G.K. SHARMA

(Chairman and Founder) **PMPS**



हर शख्स के चेहरे में नहीं झलकती वो आशाएँ, जो उन्हें पूरा करने का हुनर रखता है,
वहीं अनमोल होता है, तस्वीरें दर्शाती है, उनकी शख्सियत को और सपनों को.....



विनम्र श्रद्धांजलि

Our chairman sir is a person who can't be defined by few words. Such a noble person is never seen by me in my life. Today I want to introduce you to him by these few lines.

Innocent heart, incredible mind, yet so brave and kind, facing fear, facing challenge, never give up but showed courage, inspired us, made us believe, there is nothing that we can't achieve.

Mrs. Meenu (P.M.P.S. Family)

His thoughts and principles about the school are the strongest base for Pushpanjali family....we always try to maintain his dignity proud for Pushpanjali family....whatever the problem is we will dispose it together....his blessings are always with us....and I thought he is always with me and Pushpanjalians....he was, he is....and he always will be in our hearts....

Miss Deepika Sharma (P.M.P.S. Family)

No words can define our chairman sir but still I wrote some lines for him...."To the world, you may just a person, but our students and for us you are a hero who cared us in every step.....you always ignited our students to achieve their goals....you are like Sun in our educational society who always enlight our students....For your continuous criticism and support we had achieved this prestigious platform....you are always stay in our heart forever....."

Mrs. Laboni (P.M.P.S. Family)

He used to be an honest duty master to be careful he struggled to be a good and honest fellow.

Mrs. Geeta (P.M.P.S. Family)

Some few lines about our chairman sir..... "He was a great school leader constantly paid attention they built a culture focused on a students learning they conformed mediocred teaching....they invited, they inspired they supported families students and school staff in ways that lead to improvement they wanted to be trusted not simply liked

Mrs. Sunita Bhandari (P.M.P.S. Family)

विनम्र श्रद्धांजलि

एक संकल्प लिया बनाकर कर-कमलों की अंजलि,
सपनों के गहनों से सजाकर उसे नाम दिया पुष्पांजलि,
व्यक्ति ऐसा जैसा मोती हो पिरोए,
गुणों की खान से एक मनुष्य थे आए ।
हजारों पुष्पांजलि समान बेटियों के भविष्य का निर्माण किया,
संस्कार-सहित शिक्षा का वायदा है किया चुन-चुन कर लाए शिक्षक रूपी नगीने हैं,
जो आज भी मेहनत के दम पर चलते तान कर सीने हैं
चाहे हो विद्यार्थी या हो अध्यापक वही जो हैं
पुष्पांजलि विद्यालय के संस्थापक नहीं रहे है
हम सभी के मार्गदर्शक नवजात समान मन सभी का चंचल है
परंतु सत्य यही है कि मृत्यु अटल है सांसारिक जीवन की यही हकीकत है,
परमेश्वर को भी सुंदर नगीनों की जरूरत है, नम आँखों से उन्हें नमन करते हैं,
चलो उन्हीं के सपनों को आज अमर करते हैं । रास्ते अलग है पर मंजिल एक है,
तरीके नए है परंतु इरादे नेक हैं ।

चार कदम हम बढ़े हैं एक कदम आप बढ़िए, नव दिशा की ओर है विद्यालय,
आप थोड़ा सहयोग करिए बदलाव आएंगे, विचार बदलेगें,
पर हौसले हैं बुलंद हम कुछ कर गुजरेगें ।

पुष्पांजलि रूपी बीज उन्होंने बोया है,
इसे फला-फूला कर बगिया हम बनाएगें ।
बिटिया का नाम ही हमारी शान है, पुष्पांजलि ही हमारा मान,
और यही हमारा सम्मान है, यही हमारा सम्मान है ।

बीना भण्डारी (पुष्पांजलि परिवार)



विनम्र श्रद्धांजलि

आर्दश थे जो हमारे नहीं आज वो बीच हमारे उस दिए को सलाम, जो अंधियारा मिटाने जला तो था, पर वक्त की आँधी ने, उसे बेवक्त ही बुझा दिया।

Renu (P.M.P.S. Family)

He had great sources of knowledge. He serve as the real light in everyone's life. He spent his whole life in giving quality education to his students.

'I Miss You Sir'

Miss Deepa (P.M.P.S. Family)

- 1) He was very great personality
- 2) His behaviour was very good with teachers
- 3) He had great sources of knowledge
- 4) He knows the ability of each and every student and tries for them accordingly.

Miss Rashmi (P.M.P.S. Family)

Mr. G. K. Sharma

Was very noble person. He respect ladies. He also help children recognise their strengths and helped them to become a better human being. He empowered students to handle different life, situations and become good citizens.

Mrs. Meera Rawat (P.M.P.S. Family)

We thoroughly enjoyed the jaw dropping performances of all kids. Every minute carefully taken one by you, it was really appreciating. No words can suppress your efforts. The last things I want to say is "Today you lead the school, Tomorrow your students will definitely lead the world."

Thanks Prachi Jha (P.M.P.S. Family)

Mr. G. K. Sharma was a great personality.

He was the man of deep faith, confidence and trust over the God.

He always had a kind smile on his face. He would always be alive in our heart. We will MISS U SIR.

Mrs. Sushma (P.M.P.S. Family)

विनम्र श्रद्धांजलि

- 1) He was very good in nature.
- 2) He is well known all over the area for his great works.
- 3) He had spent his whole life in serving poor people.

Miss Ekta (P.M.P.S. Family)

आदरणीय Chairman Sir मेरे पिता समान थे। वे बहुत सरल स्वभाव व कोमल हृदय वाले शांतिप्रिय व्यक्ति थे। सर के बारे में मैं जितना लिखूँ उतना कम है। लेकिन अंतिम शब्दों में सिर्फ यह कहना चाहूँगी कि सर पुष्पांजलि परिवार में सूरज की तरह थे जिनके छिप जाने से परिवार में अंधकार सा छा गया है। लेकिन कहते हैं कि अच्छे और सच्चे लोग हमेशा अपनी छाया छोड़ कर जाते हैं और वो भी उम्मीद की किरण छोड़ कर गए हैं जो किरण एक दिन सूरज बन फिर खिलेगी।

Sonia Saroye (P.M.P.S. Family)

Few words for Lt Mr. G. K. Sharma Sir

Respected Lt. our Chairman Mr. G. K. Sharma Sir, you were a great man. You were God fearing person. I had never seen such a disciplined man like you. Everyone wanted to take advice from you. It was a great moment for me when I saw you first time. You had a smiling face, great personality, perfect dressing sense.

It was a shock for me, when I heard the sudden news of your death. May God peace of your soul.

Mrs. Kiran Bala (P.M.P.S. Family)

श्री जी० के० शर्मा जी के लिए कुछ अनमोल शब्द

विद्यार्थिना मुज्जवल भविष्यनिर्माणाय, कृता धारस्तम्भ रूपे पुष्पांजलि विद्यालयं सर्वदा ।
सर्वथा सर्वोन्नत शिखरारूढम् कर्तुम् कमपि, दृष्टस्वपन् पश्यामश्नेत् सैव परिलक्ष्यत इति ।।

अर्थात्- विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य निर्माण के आधार स्तम्भ “पुष्पांजली विद्यालय” को सर्वदा, सर्वथा एक उन्नत शिखर पर आरूढ़ करने का एक सकारात्मक स्वप्न जो हमें सदैव उनसे दृष्टिगोचर होता था। उनकी यह सोच हमें ताउम्र याद रहेगी।

श्री जी० के० शर्मा जी के लिए कुछ अनमोल शब्द :- “सम्मान उन शब्दों में है जो सर जी की अनुपस्थिति में सर के लिए कहे जाते हैं। क्योंकि अच्छे लोग जिंदगी में बार-बार नहीं आते।।

Anuradha Sharma (P.M.P.S. Family)

विनम्र श्रद्धांजलि

He was the man with several new and thoughts that inspired us to be like him. **Meenu Chaudhary (P.M.P.S. Family)**

सर एक आदर्श पुरुष थे। वे एक दूरदर्शी थे। सबके प्रति समान विचार रखते थे। उनके कहे हुए एक-एक शब्द प्रेरणादायक हैं। “अच्छे लोगों की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि उन्हें याद रखना नहीं पड़ता वो याद रह जाते हैं।”

Abhay Krishan Mishr (P.M.P.S. Family)

विनम्र श्रद्धांजलि

माननीय चैयरमैन सर

सर जी ऐसे व्यक्ति जो आए याद जीवन-भर, और न, हम भूल पाएँगे, उनको जीवनभर, वो थे ज्ञान का प्रतीक फैलाने वाले जो करेगा इस ज्ञान का पालन। उसी व्यक्ति का उज्ज्वल भविष्य बनेगा।

Priyanka & Sakshi, 5th

जैसे सूर्य सबको एक-सा प्रकाश देता है, बरसात सबके लिए बरसती है ठीक उसी प्रकार माननीय चैयरमैन सर सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखते थे यह एक सज्जन पुरुष की वास्तविक परिभाषा होती है और उनको हम कभी भूल नहीं पाएँगे।

Muskan, Priyanka 5th

माननीय चैयरमैन महोदय सभी बच्चों के लिए आदर्श तथा प्रेरणादायक थे, क्योंकि वह हमेशा कहते थे कि संस्कार युक्त शिक्षा बच्चों को देनी चाहिए ताकि बच्चे अच्छे ज्ञान के साथ-साथ संस्कारशील ज्ञान भी अर्जित कर पाएँगे और आगे चलकर अपना तथा अपने अभिभावकों का गर्व से सर ऊँचा कर सकें। यही बात उनकी हमेशा हमें याद रहेगी और हमे भले ही स्कूल से 8 क्लास पास करके चले जाए लेकिन हमारे दिलों में यह बातें हमेशा याद रहेंगी।

Jyoti, Riya 8th

He was very lovable in case of children. After the death of his daughter he build a school in her memory, every student likes the school very much.

Nitin Yadav, 7th-A

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वर्गीय चैयरमैन सर

कैसे बताये कि आपके जाने से हमारे दिल को बहुत दुख हुआ। आप हमें छोड़के क्यों चले गए आप सर! आपने हमें किसी भी परिस्थिति में हारना नहीं सिखाया है। और आपने हमें यह सिखाया है जब हम गलत ना हों, तो हमें कोई नहीं गलत साबित कर सकता है। हमें पता है कि आप हमें बहुत प्यार करते हैं। हमारे प्यारे सर हमें आपकी बहुत याद आयेगी। हम चाहते हैं कि अगले जन्म में भी आप हमारे सर रहें।

हमारे प्यारे चैयरमैन सर जन्मदिन मुबारक सर

Himanshu Jeena 7th-A

हमारे सर हमसे बहुत प्यार करते थे। वह कभी हमें निराश नहीं देखना चाहते थे। उन्होंने हमें खुश देखने के लिए हमारे लिए बहुत सारी Facilities दी की उनकी जितनी तारीफ की जाये उतनी कम है। वह हमेशा हमसे कहते थे कि जिंदगी में आगे बढ़ते रहो और किसी से भी मत डरो।

Aditya Mishra, 7th-A

चैयरमैन सर बहुत अच्छे थे। मुझे उनकी बहुत याद आ रही है, चैयरमैन सर का बच्चों से प्यार से बोलना बहुत अच्छा लगता था, उनकी आवाज सुनने का मन करता है, छुट्टी के समय उनके ऑफिस के बाहर उनकी फोटो हमेशा देखता हूँ, आते समय भी, जाते समय भी, उनकी फोटो को देखकर बहुत अच्छा लगता है।

Varun Kumar, 6th-B

चैयरमैन सर बहुत अच्छे थे। मुझे उनकी बहुत याद आती है। बच्चों को चैयरमैन सर बहुत अच्छे लगते हैं। चैयरमैन सर को भी बच्चे बहुत अच्छे लगते थे। वह उनसे प्यार से बोलते थे। उनकी बहुत याद आती है।

Brijesh, 6th-B

सर बहुत अच्छे इंसान थे। वे अपने से पहले दूसरे के बारे में सोचते थे। वह बच्चों से बहुत प्यार करते थे। उनकी बेटी की याद में उन्होंने यह स्कूल बनवाया। हम भी उनके जैसे बनना चाहते हैं। उन्होंने हमें ये सिखाया की जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए।

Isha, 7th-A

हमारे प्रिय चैयरमैन सर

चैयरमैन सर एक बहुत अच्छे व्यक्ति थे। वो हमें बहुत प्यार और मीठी बोली से बात करते थे। चैयरमैन सर को पूर्ण पुष्पांजली परिवार याद करता है। वह एक शांतिप्रिय व्यक्ति थे।

Aman, 6th-B

विनम्र श्रद्धांजलि

We feel so lucky to have you as our chairman hope your word always inspire us so that our students can achieve their dreams. Thanks for such a great guardian to care for us and give us a scope to serve a nation as teacher.

Pooja 3rd C



‘दिव्यज्योति’
माननीय चेयरमैन सर श्री जी. के. शर्मा जी
द्वारा जागृत सुविचार

शिक्षा को एक अलग-अलग आयाम देना, बच्चों के चेहरे की मुस्कुराहट को कायम रखना, हर एक विद्यार्थी को एक पौधे की तरह सींचना ताकि वो हर लम्हा प्यार से बढ़े और बढ़े होकर ऐसा वृक्ष बनें, जो स्वयं की परवाह किए बिना दूसरों को फल और छाया दें, यह सपना दिया हमें श्री जी. के. शर्मा ने। उन्होंने अपने उद्देश्य को भली भाँति स्पष्ट कर दिया था, जब उन्होंने “पुष्पांजलि” नामक बगीचे को शुरू किया, और यहाँ के हर एक पौधे को वो सारी मानवीय गुणों से ओत-प्रोत किया, जिनकी हमारे समाज में कमी होती जा रही है।

वो सारे नैतिक आधार जो हम भूलते जा रहे हैं। उन सभी आधारों को उन्होंने पुष्पांजलि के बगीचे के हर पौधे को दिया।

पुष्पांजलि के प्रत्येक विद्यार्थी को संस्कार सहित शिक्षा देने की जिस मुहिम की शुरुआत उन्होंने की, वो आज भी कायम है, और हमेशा कायम रहेगी।

(श्रीमति सुषमा शर्मा पत्नि श्री जी. के. शर्मा)